भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.12.2024 के

तारांकित प्रश्न सं. 332 का उत्तर

सिरमौर जिले में पौंटा साहिब और काला अंब को रेल नेटवर्क से जोड़ना

***332. श्री सुरेश कुमार कश्यप:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सिरमौर जिले में पौंटा साहिब और काला अंब औद्योगिक क्षेत्र हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने उक्त क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए कोई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार इस संबंध में तैयार डीपीआर को मंजूरी देकर उक्त रेल लाइन का काम कब तक आरंभ कर देगी?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

सिरमौर जिले में पौंटा साहिब और काला अंब को रेल नेटवर्क से जोड़ने के संबंध में दिनांक 18.12.2024 को लोक सभा में श्री सुरेश कुमार कश्यप के तारांकित प्रश्न सं. 332 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं के सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किए जाते हैं न कि राज्य/जिला-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को स्वीकृति देना भारतीय रेल की एक सतत एवं गतिशील प्रक्रिया है। रेल अवसंरचना परियोजनाओं को लाभप्रदता, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, औद्योगिक क्षेत्रों से संपर्कता, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर शुरू किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं की देनदारियों, निधियों की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों पर निर्भर करता है।

हिमाचल प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के उत्तर रेलवे जोन के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, हिमाचल प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली ₹13,168 करोड़ की लागत वाली 255 किलोमीटर कुल लंबाई की 04 नई लाइनें योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिसमें से 61 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹6225 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। कार्य की वस्तुस्थिति संक्षेप में इस प्रकार है:

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	नवीनतम लागत (करोड़ रु. में)	मार्च 2024 तक का व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	4	255	61	13168	6225

हिमाचल प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन इस प्रकार है :-

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹108 करोड़ प्रतिवर्ष
2024-25	₹2698 करोड़ (लगभग 25 गुना)

जगाधरी और पौंटा साहिब (62 किलोमीटर) के बीच नई लाइन के लिए सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। काला अंब और पौंटा साहिब के रास्ते घनौली से देहरादून (216 किलोमीटर) के लिए एक अन्य सर्वेक्षण किया गया था। बहरहाल, कम यातायात अनुमानों के कारण इन परियोजनाओं को आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

हिमाचल प्रदेश में पूर्णतः/अंशतः गुजरने वाली दो (2) नई लाइन परियोजनाओं नामतः भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी (63.5 कि.मी.) और चंडीगढ़-बद्दी (30 किमी) को हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार के साथ लागत में भागीदारी आधार पर स्वीकृत किया गया है।

भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी (63.5 कि.मी.) नई लाइन परियोजना में हिमाचल प्रदेश में कुल अपेक्षित 124.02 हेक्टेयर भूमि में से 79.57 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई है। उपलब्ध भूमि पर कार्य शुरू कर दिया गया है। अब तक, इस परियोजना पर ₹5205 करोड़ का व्यय किया जा चुका है और हिमाचल प्रदेश सरकार पर ₹1351 करोड़ की राशि बकाया है।

चंडीगढ़-बद्दी (30 कि.मी.) नई रेल लाइन परियोजना का कार्य शुरू कर दिया गया है। 01.07.2024 की स्थिति के अनुसार, इस पर ₹727 करोड़ व्यय किए गए हैं। हिमाचल प्रदेश राज्य का हिस्सा ₹363.5 करोड़ है। हिमाचल प्रदेश ने अब तक ₹217.75 करोड़ जमा कर दिए हैं और शेष ₹145.75 करोड़ की राशि हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार पर बकाया है।

राज्य सरकार द्वारा अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा न करने के कारण इन परियोजनाओं की प्रगति प्रभावित हुई है। परियोजनाओं के कार्य में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार का सहयोग अपेक्षित है। कुल बकाया राशि ₹1496.75 करोड़ है। इस अंशदान को जमा न किए जाने के कारण इन परियोजनाओं की प्रगति प्रतिकूल रूप से प्रभावित होने की संभावना है।

*****